शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं बल्कि युवाओं का भविष्य निर्माण करना : कुलपति दुबे

सच मीडिया

मंडावा। स्व. श्री रामनारायण चौधरी कृषि महाविद्यालय मंडावा के वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के कुलपति प्रो. आर. बी. दुबे तथा विशिष्ट अतिथि हरलाल सिंह मोंगा पूर्व प्राचार्य रहे। अपने संबोधन में कुलपति प्रो. दुबे ने कहा कि वर्ष 2021 में स्थापित यह महाविद्यालय अत्यंत अल्प समय में ही विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि शिक्षा का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभरा है। महाविद्यालय के प्रथम एवं द्वितीय बैच के विद्यार्थियों का सफलतापूर्वक स्नातक होना तथा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां अर्जित करना संस्थान की निरंतर प्रगति का प्रमाण है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में महाविद्यालय में कुल 231 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जिनमें 99 छात्राएं शामिल हैं। कृषि शिक्षा में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को उन्होंने समाज में सकारात्मक परिवर्तन का संकेत बताते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। कुलपति ने विश्वविद्यालय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने विशेष रूप से वर्ष 2022-26 बैच की छात्रा कोमल चौधरी को विश्वविद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान

प्राप्त करने पर तथा वर्ष 2021-25 बैच के विद्यार्थी लक्की गंगवानी को महाविद्यालय में सर्वाधिक अंक अर्जित करने पर सम्मानित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।प्रो. दुबे ने कहा कि महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने शिक्षा के साथ-साथ खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में भी उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। विश्वविद्यालय स्तरीय प्रतियोगिताओं में एथलेटिक्स, कबड्डी एवं वॉलीबॉल जैसी खेल विधाओं में विद्यार्थियों द्वारा अर्जित पदक एवं सम्मान महाविद्यालय की प्रतिभा और अनुशासन को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि खेलकूद विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, टीम भावना, आत्मविश्वास तथा अनुशासन का विकास करते हैं। कुलपति प्रसन्नता व्यक्त की कि महाविद्यालय ने 1 जनवरी 2026 से अपने नवीन परिसर में कार्य प्रारंभ कर दिया है। आधुनिक शैक्षणिक भवन, सुसज्जित कक्षाएं, प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय एवं छात्रावास जैसी सुविधाएं विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने इसे महाविद्यालय के विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया।अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि कृषि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि ऐसे युवाओं का निर्माण करना है जो भविष्य के कृषि वैज्ञानिक, उद्यमी, नीति-निर्माता एवं सामाजिक परिवर्तन के वाहक बन सकें। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे शिक्षा को केवल रोजगार प्राप्ति का माध्यम न मानकर समाज सेवा एवं राष्ट्र निर्माण का साधन बनाएं। कृषि उद्यमिता, जैविक खेती, खाद्य प्रसंस्करण, कृषि व्यवसाय, ड्रोन तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा डिजिटल कृषि जैसे क्षेत्रों में युवाओं के लिए अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं।कार्यक्रम के प्रारंभ में महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सागरमल कुमावत ने अतिथियों का स्वागत किया तथा महाविद्यालय की स्थापना से लेकर पांच वर्षों की विकास यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संस्थान ने किराए के भवन से अपनी यात्रा प्रारंभ की थी और आज अपने नवीन परिसर में सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है। संस्थान के संस्थापक अधिष्ठाता के रूप में उन्होंने महाविद्यालय के विकास की मजबूत नींव रखी, जिसके सकारात्मक परिणाम आज शैक्षणिक, खेलकूद एवं सांस्कृतिक उपलब्धियों के रूप में दिखाई दे रहे हैं।इस अवसर पर कुलपति प्रो. दुबे, अधिष्ठाता, संकाय सदस्यों एवं अतिथियों ने विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए कृषि मॉडल, पोस्टर एवं प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा विद्यार्थियों की सृजनात्मकता एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन की सराहना की। कुलपति ने विद्यार्थियों से संवाद कर शैक्षणिक गतिविधियों, प्रायोगिक कार्यों तथा महाविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण के बारे में जानकारी प्राप्त की। समारोह में विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।। समारोह के दौरान कुलगुरु एवं अधिष्ठा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विजेता एवं उपविजेता टीम को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।